**Syallabus for Screening test for the post of Lecturers of various subjects.**

**For The post of Lecturers difficulty Level of the Questions will be of Post Graduation Level.**

# हिंदी साहित्य का आदिकाल व मध्यकाल

क (i) हिंदी साहित्य का इतिहास - काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण

(ii) आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य

(iii) आदिकाल की मुख्य प्रवृत्तियाँ और परिस्थितियाँ

ख (i) भक्तिकालीन विभिन्न काव्य धाराएं तथा उनका वैशिष्ट्य

(ii) संतकाव्य - प्रमुख संत कवि और उनका योगदान

(iii) सूफी काव्य - प्रमुख कवि और उनका योगदान

(iv) राम व कृष्ण काव्य - प्रतिनिधि कवि और रचनागत वैशिष्ट्य

(v) रीतिकाल - नामकरण, विभिन्न धाराएं, परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ

प्रमुख कवि : ~~कबीरदास~~ चन्दबरदाई, अमीर खुसरो, कबीर, सूरदास, तुलसीदास, रैदास, केशव जायसी, बिहारी, रहीम, मीराबाई, रसखान

(vi) आधुनिक काल (i) आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, नामकरण, काल विभाजन, आधुनिक काल व नवजागरण

(ii) भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं एवं विशेषताएं

(iii) द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं एवं विशेषताएं

(iv) छायावादी काव्य : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं एवं विशेषताएं

उत्तर छायावादी काव्य की विशेषताएं - प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता - प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और विशेषताएं

(vi) हिंदी गद्य का आरम्भ व विकास
- कहानी विधा का विकास
- उपन्यास विधा का विकास
- नाटक विधा का विकास
- निबन्ध विधा का विकास
- हिंदी आलोचना विधा का विकास
- नव्यतर विधाओं का विकास
- हिंदी पत्रकारिता का विकास

प्रमुख कवि - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, महावीरप्रसाद द्विवेदी, जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, मैथिलीशरण गुप्त अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', सुमित्रानंदन पंत, रामकुमार वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर, अज्ञेय, नागार्जुन, दुष्यंत कुमार मुक्तिबोध, सुभद्रा कुमारी चौहान, शिवमंगल सिंह सुमन, गिरिजाकुमार माथुर

प्रमुख कहानीकार - जयशंकर प्रसाद, मुंशी प्रेमचंद, जैनेन्द्र, सुदर्शन, भीष्म साहनी, यशपाल, मन्नू भंडारी, कमलेश्वर, निर्मल वर्मा, कृष्णा सोबती, राजेन्द्र यादव

प्रमुख निबन्धकार: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, हरिशंकर परसाई, ~~महादेवी वर्मा~~, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर, रामवृक्ष बेनीपुरी, बालकृष्ण भट्ट

प्रमुख नाटककार: जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, जगदीशचन्द्र सुरेन्द्र वर्मा, धर्मवीर भारती, विष्णु प्रभाकर उपेन्द्रनाथ अश्क,

प्रमुख आलोचक: आचार्य ~~रामचन्द्र~~ रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ० नामवर सिंह, डॉ नगेन्द्र।

# भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत

(1) काव्य लक्षण — काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार

(2) रस सिद्धांत — रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

(3) अलंकार सिद्धांत — मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण

(4) रीति सिद्धांत — रीति की अवधारणा, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

(5) वक्रोक्ति सिद्धांत — वक्रोक्ति की अवधारणा एवं भेद

(6) ध्वनि सिद्धांत — ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

(7) औचित्य सिद्धांत — प्रमुख स्थापनाएं एवं भेद

# पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1. प्लेटो : आदर्शवाद
2. अरस्तु : अनुकरण सिद्धांत एवं विरेचन सिद्धांत
3. होरेस : औचित्य सिद्धांत
4. लोंजाइनस : उदात्त सिद्धांत
5. टी. एस. इलियट : परम्परा एवं वैयक्तिक प्रज्ञा का सिद्धांत
6. आई. ए. रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धांत
7. मार्क्सवाद
8. मनोविश्लेषणवाद
9. अस्तित्ववाद
10. संरचनावाद और उत्तर आधुनिकतावाद

# भाषा विज्ञान

1. भाषा एवं भाषा विज्ञान

(क) भाषा : परिभाषा व प्रकृति

(ख) भाषा के विविध रूप : बोली, उपबोली, मातृभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा एवं अन्तर्राष्ट्रीय भाषा

(ग) ध्वनि विज्ञान – ध्वनि की उत्पत्ति प्रक्रिया, ध्वनि यंत्र, ध्वनि के प्रकार, स्वर तथा व्यंजन, स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का ~~वर्गी~~ वर्गीकरण

(2) अर्थ विज्ञान

(i) शब्द और अर्थ का सम्बन्ध

(ii) अर्थ परिवर्तन के कारण

(iii) अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ

(iv) हिंदी में शब्द के प्रकार

(3) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास

(i) हिंदी का स्वरूप परिचय, हिंदी की उपभाषाएँ, उपभाषाओं की बोलियों का सामान्य परिचय, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी

(ii) अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास, अवधी की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना

(iii) ब्रजभाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास, ब्रजभाषा की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना

(3) मानक हिंदी

(i) मानक हिंदी और खड़ी बोली में अंतर
(ii) मानक हिंदी की ध्वनियाँ
(iii) मानक हिंदी में शब्द भंडार, ~~~~ और उसके विविध ~~~~ स्रोत
(iv) मानक हिंदी की रूप संरचना — संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, अव्यय।
(v) मानक हिंदी की वाक्य संरचना : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के प्रकार
(vi) हिंदी राजभाषा के रूप में

(4) (i) देवनागरी लिपि का विकास
(ii) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं महत्व
(iii) देवनागरी लिपि के दोष, सुधार के लिए किए गए / किए जाने वाले प्रयास
(iv) देवनागरी लिपि का मानक रूप तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण

सुधा जैन
[signature]